राजनाथ सिंह
RAJNATH SINGH

रक्षा मंत्री
भारत
DEFENCE MINISTER
INDIA

सत्यमेव जयते

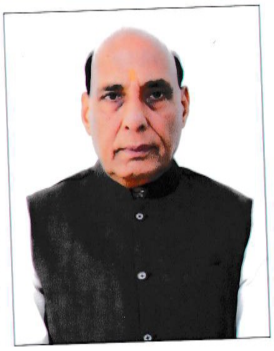

संदेश

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ।

भारत एक बहुभाषी देश है जहाँ विभिन्न राज्यों में अनेक भाषाएं और बोलियां बोली जाती हैं। हमारी सभी भाषाएं और बोलियां हमारी धरोहर हैं और इन्हें बढ़ावा देना हर भारतीय का कर्तव्य है। किसी भी देश की सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक प्रगति में उस देश की भाषा का अहम योगदान होता है। कोई भी भाषा या बोली सिर्फ विचारों की वाहिका ही नहीं होती, अपितु राष्ट्र की संस्कृति, सभ्यता व संस्कारों के निर्माण का महत्वपूर्ण साधन भी होती है।

हिंदी का विकास देश की क्षेत्रीय भाषाओं के साथ-साथ हुआ है। देश की सभी भाषाओं में भारतीय संस्कृति की सजीव झलक परिलक्षित होती है। हिंदी सहित अन्य सभी क्षेत्रीय भाषाएं देशवासियों को विरासत में मिली हैं। देश में बोली जाने वाली भिन्न-भिन्न भाषाएं तथा उनका सांस्कृतिक वैभव एक ओर जहां देश की पहचान है, वहीं दूसरी ओर सभी भाषाओं का गौरवशाली इतिहास और समृद्धि साहित्य है। किंतु पूरे भारत को एक सूत्र में पिरोने का काम हिंदी ने सफलतापूर्वक किया है।

भारत में सबसे अधिक बोली जाने वाली हिंदी एक वैज्ञानिक भाषा है। हिंदी की विशेषताओं और लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए भारतीय संविधान सभा ने आपसी सहमति से हिंदी को भारत संघ की राजभाषा का दर्जा दिया तथा हिंदी संबंधित संवैधानिक प्रावधानों को 14 सितम्बर, 1949 को अंगीकार किया। इसी उपलक्ष्य में हम प्रत्येक वर्ष 14 सितम्बर को हिंदी दिवस के रूप में मनाते हैं।

उल्लेखनीय है कि आजादी की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव पूरे देश में जन-भागीदारी के माध्यम से मनाया जा रहा है। इस अमृत महोत्सव के पावन अवसर पर हिंदी दिवस का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है क्योंकि हिंदी स्वतंत्रता संग्राम के दौरान बोली जाने वाली लोकप्रिय भाषा थी।

इस वर्ष भी रक्षा मंत्रालय एवं सभी संगठनों में हिंदी पखवाड़े का आयोजन उत्साहपूर्वक किया जा रहा है। मैं, रक्षा मंत्रालय में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों से अपील करता हूँ कि वे अपना अधिक-से-अधिक सरकारी काम-काज राजभाषा हिंदी में करते हुए संवैधानिक अपेक्षा का अनुपालन सुनिश्चित करें तथा आजादी के अमृत महोत्सव को सफल बनाने में भरपूर योगदान प्रदान करें।

"जय हिंद"

(राजनाथ सिंह)

स्थान : नई दिल्ली